कयर बोर्ड
COIR BOARD
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उघम मंत्रालय, (भारत सरकार)
Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises,
(Government of India)
केन्द्रीय कयर अनुसंधान संस्थान
CENTRAL COIR RESEARCH INSTITUTE

कलवूर पी.ओ.
पिन - 688522.
आलपुषा जिल्ला
Kalavoor P.O
Pin - 688522.
Alleppey Dist
☎. 0477 2258094
2258480, 2258304
Fax-0477 2258415
Email. ccri.coirboard@gmail.com
ccrikalavoor@gmail.com
www.ccriindia.org

J-12034/3/2019-CCRI Dt: 19.07.2023

TRADE CIRCULAR No. 5 DATED 19.07.2023

Coir Geotextiles are used in various Civil Engineering applications, such as construction of rural roads, erosion control in embankment, construction for roads and Railways, dam engineering, canals, etc. Biodegradability, hygroscopic and hydrophilic properties of coir geotextiles help in erosion control and to establish vegetation in varying slopes and environmental conditions. The inherent properties like highest strength among all the natural fibres and high water absorption with maximum swelling of only 5% and very high extensibility of 30% Coir Geotextiles have been found to be the ideal replacement of the geosynthetics normally used in the construction of roads to stabilize the weak sub grade soils.

Coir Board under Ministry of MSME, Govt. of India has made several R&D efforts and constructed PMGSY roads reinforced with coir geotextiles in the states Tamilnadu, MP and Kerala with the support of state technical agencies of the PMGSY scheme in the respective states and the performance of the roads was evaluated. From the studies it is found that coir geotextile is advantageous to reinforce the weaker subgrade soils. IIT Madras has validated these studies and recommended its use for roads.

The Indian Road Congress (IRC) has accredited coir geotextiles as a new material for the construction and reinforcement of roads since 2011 and has published IRC Code book IRC:SP:129 – 2022 on Guidelines for the Design and Construction of Roads using Coir Geotextiles. The code book provides information on how to use coir geotextiles for roads as per the approved standards. The NRIDA, under Ministry of Rural Development have decided to include Coir Geotextiles under new material/new technology category and allocated 5% of the total length of rural roads to be constructed in seven states which comes to a total length of 1674kms. The total estimated requirement of the seven states to cover 5% of the rural roads to be constructed would work out to ~1,00,00,000 sq. Mtr.

The national Highways Authority of India(NHAI) has already informed that MoRTH has the policy of promoting New material and technology especially locally available material for the construction of National highways. NHAI has already started using coir geotextiles in southern states NHAI projects for erosion control. India's national highway construction will likely reach 32-34 km per day during the current financial year. This will open up a huge potential for coir geo textiles to be used for embankment protection of the newly constructed roads.

The RDSO has released the guidelines RDSO/2020/GE:G-0022 April 2022 for Application of COIR GEOTEXTILES in Railway Embankments and Natural Hill Slopes & Cuttings and issued directions to the Zonal Railways/PSU's for use of coir geotextiles as erosion

control measure in the field based on the techno economic considerations vis-à-vis other alternatives. Which will open up a definite market for coir geotextiles.

Coir Board actively approaching the department engineers in promoting the maximum use of coir geotextiles in different government projects. It is very essential in maintaining the quality of coir geotextiles to meet the engineering requirements to be used in these applications.

The Ministry of textiles, Govt of India after consulting the Bureau of Indian Standards, and vide extraordinary Gazette dt 10.04.2023 has released the Geo Textiles (Quality Control) Order, 2022. The above order covers all the geotextile materials including coir geotextiles. It shall come into force on the 180 days after its publication in the official Gazette. As per this order coir geotextiles shall conform to the corresponding Indian Standard (IS 15869-2020) and shall bear the Standard Mark under a license from the Bureau in accordance with Scheme-I of Schedule-II to the Bureau of Indian Standards (Conformity Assessment) Regulations, 2018.

In this regard all the coir geotextile manufacturers may kindly initiate the necessary action for certifying their product through BIS standard marking (ISI). For the better understanding of the scheme and action further steps to be followed in this regard coir board has requested BIS to organize a training to the manufacturers and they expressed their willingness to conduct the above session. Those who are interested to attend the above session may kindly send your requests to Director, CCRI in the email id 'ccri.coirboard@gmail.com' on or before 27.07.2023 so as to make the necessary arrangements.

A copy of the QCO on coir geotextiles is attached herewith for your further reference. Kindly do the needful

This is issued with the approval of Chairman, Coir Board vide file orders dt 18.07.2023

DIRECTOR, RDTE i/c

To:

All Regd. Exporters / Manufacturers of coir geotextiles
All Coir Exporters' Associations
All Coir Manufacturers' Associations

Copy to: All Regional Offices of Coir Board

Encl: Copy of the QCO

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-12042023-245134
CG-DL-E-12042023-245134

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1627] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 12, 2023/चैत्र 22, 1945
No. 1627] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 12, 2023/CHAITRA 22, 1945

वस्त्र मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2023

का.आ. 1706(अ).—भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 (2016 का 11) की धारा 17 और धारा 25 की उप-खंड (3) के साथ पठित धारा 16 की उप-खंड (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार की राय है कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है और भारतीय मानक ब्यूरो से परामर्श करने के बाद, एतदद्वारा निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्: -

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ-** (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम जियो टेक्सटाइल्स (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2022 है।

   (2) यह सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख के **180 दिवस पश्चात लागू होगा।**

2. **प्रयोज्य-** यह आदेश, इस आदेश के साथ संलग्न अनुसूची के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट माल या वस्तुओं के संबंध में लागू होगा, लेकिन यह निर्यात से संबंधित माल या वस्तुओं पर लागू नहीं होगा।

3. **मानक चिह्न का अनिवार्य उपयोग -** उक्त अनुसूची के कॉलम (2) में निर्दिष्ट माल या वस्तु तत्संबंधी कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तदनुरूपी भारतीय मानक के अनुरूप होंगे और उन पर भारतीय मानक ब्यूरो (अनुरूपता निर्धारण) विनियम, 2018 की अनुसूची-।। की योजना-। के अनुसार ब्यूरो की अनुज्ञप्ति के तहत मानक चिह्न लगे होंगे।

4. **प्रमाणन और प्रवर्तन प्राधिकारी –** ब्यूरो उक्त अनुसूची के कॉलम (2) में निर्दिष्ट माल या वस्तुओ का प्रमाणन और प्रवर्तन प्राधिकारी होगा।

5. **उल्लंघन के लिए शास्ति -** जो भी व्यक्ति इस आदेश के उपबंधों का उल्लंघन करेगा, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 (2016 का 11) के उपबंधों के अनुसार दंडनीय होगा।

अनुसूची

क्र.सं.	माल या वस्तु	भारतीय मानक (आईएस)	भारतीय मानक का शीर्षक
(1)	(2)	(3)	(4)
1	वाटर प्रूफ लाइनिंग के लिए लैमिनेटेड हाई डेंसिटी पॉलीइथाइलीन (एचडीपीई) वुवन जियोमेम्ब्रेन	आईएस 15351 : 2015	जिओटेक्सटाइल्स - वाटर प्रूफ लाइनिंग के लिए लैमिनेटेड हाई डेंसिटी पॉलीइथाइलीन (एचडीपीई) वुवन जियोमेम्ब्रेन - विशिष्टता
2	पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) जियोमेम्ब्रेंस	आईएस 15909 : 2020	लाइनिंग के लिए पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) जियोमेम्ब्रेंस - विशिष्टता
3	नीडल पंच्ड नॉन वुवन जियोबैग्स	आईएस 16653 : 2017	जियोसिंथेटिक्स – कोस्टल और वाटरवेज संरक्षण के लिए नीडल पंच्ड नॉन-वुवन जियोबैग्स - विशिष्टता
4	पॉलीप्रोपाइलीन मल्टीफ़िलामेंट वुवन जियोबैग्स	आईएस 16654: 2017	जियोसिंथेटिक्स - कोस्टल और वाटरवेज संरक्षण के लिए पॉलीप्रोपाइलीन मल्टीफ़िलामेंट वुवन जियोबैग्स - विशिष्टता
5	जूट जियोटेक्सटाइल्स	आईएस 14715 (भाग 1): 2016	जूट जियोटेक्सटाइल्स भाग 1 सड़कों में सब-ग्रेड का सुदृढ़ीकरण - विशिष्टता
6	जूट जियोटेक्सटाइल्स	आईएस 14715 (भाग 2): 2016	जूट जियोटेक्सटाइल्स भाग 2 नदियों और वाटरवेज में तटीय कटाव का नियंत्रण - विशिष्टता
7	ओपन वीव कॉयर भूवस्त्र	आईएस 15869 : 2020	टेक्सटाइल्स - ओपन वीव कॉयर भूवस्त्र - विशिष्टता
8	पेवमेंट संरचनाओं में सब-ग्रेड पृथक्करण में उपयोग किए जाने वाले जियोटेक्सटाइल्स	आईएस 16391 : 2015	जियोसिंथेटिक्स - पेवमेंट संरचनाओं में सब-ग्रेड पृथक्करण में प्रयुक्त जियोटेक्सटाइल्स - विशिष्टता
9	सब-सरफेस ड्रेनेज अनुप्रयोग में प्रयुक्त जियोटेक्सटाइल्स	आईएस 16393 : 2015	जियोसिंथेटिक्स - सब-सरफेस ड्रेनेज अनुप्रयोग में प्रयुक्त जियोटेक्सटाइल्स – विशिष्टता
10	पेवमेंट संरचनाओं में सब-ग्रेड स्टेबलाइजेशन में उपयोग किए जाने वाले जियोटेक्सटाइल्स	आईएस 16362 : 2020	जियोसिंथेटिक्स - पेवमेंट संरचनाओं में सबग्रेड स्टेबलाइजेशन में प्रयुक्त जियोटेक्सटाइल्स – विशिष्टता
11	लाइनिंग के लिए हाई डेंसिटी पॉलीइथाइलीन (एचडीपीई) जियोमेम्ब्रेंस	आईएस 16352 : 2020	जियोसिंथेटिक्स – लाइनिंग के लिए हाई डेंसिटी पॉलीइथाइलीन (एचडीपीई) जियोमेम्ब्रेंस - विशिष्टता
12	सुरक्षा (या कुशनिंग) सामग्री के रूप में उपयोग किए जाने वाले जियोटेक्सटाइल्स	आईएस 16090:2013	सुरक्षा (या कुशनिंग) सामग्री के रूप में उपयोग किए जाने वाले जियोसिंथेटिक्स जियो-टेक्सटाइल्स - विशिष्टता
13	हार्ड आर्मर सिस्टम्स में स्थायी कटाव नियंत्रण के लिए जियोटेक्सटाइल्स	आईएस 16392:2015	जियोसिंथेटिक्स - हार्ड आर्मर सिस्टम्स में स्थायी कटाव नियंत्रण के लिए जियोटेक्सटाइल्स - विशिष्टता
14	फ्लैक्सिबल पेवमेंट्स के लिए जियोग्रिड्स	आईएस 17371:2020	जियोसिंथेटिक्स - फ्लैक्सिबल पेवमेंट्स के लिए जियोग्रिड्स - विशिष्टता
15	संरचनाओं को बनाए रखने में मिट्टी के सुदृढीकरण के रूप में उपयोग की जाने वाली पॉलिमरिक पट्टी या जियोस्ट्रिप	आईएस 17372:2020	जियोसिंथेटिक्स - संरचनाओं को बनाए रखने में मिट्टी के सुदृढीकरण के रूप में उपयोग की जाने वाली पॉलिमरिक पट्टी या जियोस्ट्रिप – विशिष्टता
16	प्रबलित मिट्टी को बनाए रखने वाली संरचनाओं में उपयोग किए जाने वाले जियोग्रिड्स	आईएस 17373:2020	जियोसिंथेटिक्स - प्रबलित मिट्टी को बनाए रखने वाली संरचनाओं में उपयोग किए जाने वाले जियोग्रिड्स

17	एफ्लुएंट्स और केमिकल रेसिस्टेन्स लाइनिंग के लिए प्रबलित एचडीपीई मेम्ब्रेन	आईएस 17374:2020	जियोसिंथेटिक्स - एफ्लुएंट्स और केमिकल रेसिस्टेन्स लाइनिंग के लिए प्रबलित एचडीपीई मेम्ब्रेन - विशिष्टता
18	जियोसेल्स	आईएस 17483 (भाग 1): 2020	जियोसिंथेटिक्स - जियोसेल्स - स्पेसिफिकेशन भाग 1 लोड वेअरिंग एप्लीकेशन
19	जियोसेल्स	आईएस 17483 (भाग 2): 2020	जियोसिंथेटिक्स - जियोसेल्स - विशिष्टता भाग 2 स्लोप इरोजन संरक्षण अनुप्रयोग

नोट : अनुसूची के प्रयोजनों के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 (2016 का 11), की धारा 2 के खंड (17) के प्रावधानों के अनुसार समय-समय पर ब्यूरो द्वारा स्थापित और प्रकाशित भारतीय मानकों का नवीनतम संस्करण, इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

[सं. 6/1/2021-आर एंड डी (भाग 2)]

राजीव सक्सेना, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

ORDER

New Delhi, the 10th April, 2023

S.O. 1706(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 16 read with section 17 and sub-section (3) of section 25 of the Bureau of Indian Standards Act, 2016 (11 of 2016), the Central Government is of the opinion that it is necessary so to do in the public interest and after consulting the Bureau of Indian Standards, hereby makes the following Order, namely:-

1. **Short title and commencement.–** (1) This Order may be called the Geo Textiles (Quality Control) Order, 2022.

   (2) It shall come into force on the **180 days after** its publication in the official Gazette.

2. **Application.** –This Order shall apply to goods or article specified in column (2) of the Schedule annexed to this Order, but shall not apply to such goods or article meant for export.

3. **Compulsory use of Standard Mark.** –The goods or article specified in column (2) of the said Schedule shall conform to the corresponding Indian Standard specified in column (3) thereof and shall bear the Standard Mark under a licence from the Bureau in accordance with Scheme-I of Schedule-II to the Bureau of Indian Standards (Conformity Assessment) Regulations, 2018.

4. **Certification and enforcement authority.** – The Bureau shall be the certifying and enforcing authority in respect of the goods or article specified in column (2) of the said Schedule.

5. **Penalty for contravention.** – Any person who contravenes the provisions of this Order shall be punishable in accordance with the provisions of the Bureau of Indian Standards Act, 2016 (11 of 2016).

SCHEDULE

Sl. No.	Goods or article	Indian Standard (IS)	Title of Indian Standard
(1)	(2)	(3)	(4)
1	Laminated High Density Polyethylene (HDPE) Woven Geomembrane for Water Proof Lining	IS 15351 : 2015	Geotextiles - Laminated High Density Polyethylene (HDPE) Woven Geomembrane for Water Proof Lining - Specification
2	Poly Vinyl Chloride (PVC) Geomembranes	IS 15909 : 2020	Poly Vinyl Chloride (PVC) Geomembranes for Lining – Specification
3	Needle punched non-woven geobags	IS 16653 : 2017	Geosynthetics - Needle punched non-woven geobags for coastal and waterways protection - Specification

4	Polypropylene Multifilament woven geobags	IS 16654: 2017	Geosynthetics - Polypropylene Multifilament woven geobags for coastal and waterways protection - Specification
5	Jute Geotextiles	IS 14715 (Part 1): 2016	Jute Geotextiles Part 1 Strengthening of Sub-Grade in Roads - Specification
6	Jute Geotextiles	IS 14715 (Part 2): 2016	Jute Geotextiles Part 2 Control of Bank Erosion in Rivers and Waterways - Specification
7	Open Weave Coir Bhoovastra	IS 15869 : 2020	Textiles - Open weave coir bhoovastra - Specification
8	Geotextiles used in sub-grade separation in pavement structures	IS 16391 : 2015	Geosynthetics - Geotextiles Used in Sub-Grade Separation in Pavement Structures – Specification
9	Geotextiles used in Subsurface Drainage Application	IS 16393 : 2015	Geosynthetics - Geotextiles Used in Subsurface Drainage Application - Specification
10	Geotextiles used in Sub-grade Stabilisation in pavement structures	IS 16362 : 2020	Geosynthetics - Geotextiles Used in Subgrade Stabilisation in Pavement structures - specification
11	High Density Polyethylene (HDPE) Geomembranes for lining	IS 16352 : 2020	Geosynthetics - High Density Polyethylene (HDPE) Geomembranes for Lining – Specification
12	Geotextiles used as protection (or cushioning) materials	IS 16090:2013	Geosynthetics Geo-textiles used as protection (or cushioning) materials - Specification
13	Geotextiles for permanent erosion control in hard armor systems	IS 16392:2015	Geosynthetics - Geotextiles for permanent erosion control in hard armor systems - Specification
14	Geogrids for flexible pavements	IS 17371:2020	Geosynthetics - Geogrids for flexible pavements - Specification
15	Polymeric strip or geostrip used as soil reinforcement in retaining structures	IS 17372:2020	Geosynthetics - Polymeric strip or geostrip used as soil reinforcement in retaining structures - Specification
16	Geogrids used in reinforced soil retaining structures	IS 17373:2020	Geosynthetics - Geogrids used in reinforced soil retaining structures
17	Reinforced HDPE membrane for effluents and chemical resistance lining	IS 17374:2020	Geosynthetics - Reinforced HDPE membrane for effluents and chemical resistance lining - Specification
18	Geocells	IS 17483 (Part 1): 2020	Geosynthetics - Geocells - Specification Part 1 Load Bearing Application
19	Geocells	IS 17483 (Part 2): 2020	Geosynthetics - Geocells - Specification Part 2 Slope Erosion Protection Application

Note: For the purposes of the Schedule, it is clarified that the latest version of Indian Standards established and published by the Bureau from time to time in accordance with the provisions of clause (17) of section 2 of the Bureau of Indian Standards Act, 2016 (11 of 2016),shall apply from the date of such publication.

[No. 6/1/2021-R&D (Pt.2)]

RAJEEV SAXENA, Jt. Secy.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.